धामी: राजकीय महाविद्यालय 16 मील में मनाई गई कारगिल विजय दिवस की 24 वीं वर्षगांठ

कारगिल युद्ध में शहिद हुए बहादुर जवानों को दी गई श्रद्धाजंलि, "मेरी माटी मेरा देश" कार्यक्रम के अन्तर्गत कलाणी धार में किया गया बान के 150 पौधों का पौधारोपण

By
Priyanka Chauhan
-
26/07/2023

Share on Facebook

Tweet on Twitter

16 मील में कारगिल विजय दिवस की 24 वीं वर्षगांठ उत्साहपूर्वक मनाई गई।

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

Ads

धामी/शिमला। राजकीय महाविद्यालय धामी स्थित 16 मील में कारगिल विजय दिवस की 24 वीं वर्षगांठ उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर सभी शिक्षक, गैर शिक्षक तथा बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरम्भ तिरंगा लहरा कर किया गया। इसके बाद कारगिल युद्ध में शहिद हुए बहादुर जवानों को श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। एक ओर जहां शहिदों की याद में गम का महौल था, वहीं पर बहादुर जवानों द्वारा दुश्मनों पर विजय पाने की खुशी भी थी। महाविद्यालय के प्राचार्य जनेश कपूर ने अपने सम्बोधन में भारतीय सेना के पराक्रम पर प्रकाश डाला।

"मेरी माटी मेरा देश" कार्यक्रम के अन्तर्गत कलाणी धार में किया गया बान के 150 पौधों का पौधारोपण

उन्होंने कहा कि आज हमें उन सभी वीर जवानों को याद करना चाहिए जिनके बलिदान तथा पराक्रम से आज हम इस गौरवमय विजय दिवस को मना रहे हैं। भारतीय सेना के जवानों ने सदैव अपने साहस का परिचय दिया तथा टाइगर हिल जैसी पहाड़ी पर तिरंगा फहरा कर देश का गौरव बढ़ाया। हमारी सेना विश्व की सबसे बड़ी व बहादुर सेना है जिसके पराक्रम से आज हम शान से जी रहे है। इ

इसके बाद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवको ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रायल के निर्देशानुयसा "मेरी माटी मेरा देश" एवं आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत कलाणी धार में बान के 150 पौधों का पौधारोपण किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामलाल भारद्वाज एवं डॉ. विश्व ज्योति ने वन विभाग हिमाचल प्रदेश के साथ मिलकर तय किया था।

इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारी राजीव शर्मा अन्य कर्मचारी, महाविद्यालय के ईको क्लब प्रभारी डॉ अनिल ठाकुर, आचार्य डॉ. संतोष ठाकुर, डॉ. रमेश चौहान, डॉ. राजीव शर्मा, स्काऊट एवं गाइड के प्रभारी डॉ. नमिता चौहान, डॉ. किशोरी लाल, डॉ. मोना शर्मा तथा महाविद्यालय के अधीक्षक पूर्ण ठाकुर उपस्थित रहे।

पौधारोपण के दौरान बारिश ने अपना दम भी दिखाया परन्तु बारिश भी स्वयंसेवको को हौंसला पस्त नहीं कर पाई। पौधारोपण के बाद स्वयंसेवको को महाविद्यालय प्रशासन द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर बच्चों को पेड़ो के महत्त्व को भी समझाया गया।